

काशी को सौगात, 25 हजार करोड़ से बनेंगे दो एलिवेटेड कारिडोर

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : भगवान शिव की नगरी काशी (वाराणसी) को अब जाम से मुक्ति मिलेगी। केंद्र सरकार ने इसे लेकर काशी में 25 हजार करोड़ से अधिक की लागत से करीब 89 किमी लंबे दो एलिवेटेड कारिडोर बनाने का फैसला लिया है। एक कारिडोर गंगा नदी के किनारे राष्ट्रीय राजमार्ग 19 और वाराणसी रिंग रोड के बीच करीब 46 किलोमीटर लंबा होगा, जबकि दूसरा कारिडोर वरुणा नदी के किनारे राष्ट्रीय राजमार्ग-31 व वाराणसी रिंग रोड के बीच करीब 43 किलोमीटर लंबा होगा। यह कारिडोर छह से चार लेन के होंगे। जिसमें मेन कैरिज-वे, फ्लाईओवर, लूप रैंप और सर्विस रोड आदि शामिल होंगे। कैबिनेट कमेटी ने बुधवार को काशी से जुड़े इन दोनों प्रोजेक्टों को मंजूरी दी। इन दोनों



प्रोजेक्टों से काशी को जाम से मुक्ति मिलेगी। वैसे भी काशी में औसतन प्रतिवर्ष 15 करोड़ से अधिक पर्यटक और तीर्थयात्री आते हैं।

कारिडोर से काशी के इन क्षेत्रों को मिलेगा लाभ: गंगा नदी के किनारे बनने वाला कारिडोर काशी के प्रमुख राजमार्गों, रेलवे स्टेशनों, लाल बहादुर शास्त्री हवाई अड्डे और रामनगर बंदरगाह तक निर्बाध पहुंच प्रदान करेगा। इसके साथ ही काशी विश्वनाथ मंदिर, बीएचयू, नमो घाट, रामनगर किला व वाराणसी के घाटों सहित प्रमुख धार्मिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक स्थलों तक कनेक्टिविटी में भी उल्लेखनीय सुधार होगा।

गंगा नदी एलिवेटेड कारिडोर

कुल लंबाई : 46.039 किलोमीटर

अनुमानित लागत: 14,447 करोड़ रुपये। प्रोजेक्ट अवधि- चार वर्ष।

कनेक्टिविटी: राष्ट्रीय राजमार्ग-19 और वाराणसी रिंग रोड को जोड़ेगा।

रफ्तार : 80 से 100 किमी प्रति घंटा।

समय की बचत : कारिडोर चालू होने से प्रभावित क्षेत्रों में औसत यात्रा का समय 60 मिनट घटकर महज 20 मिनट रह जाएगा।

वरुणा नदी एलिवेटेड कारिडोर

कुल लंबाई- 43.218 किलोमीटर।

अनुमानित लागत-10,998.32 करोड़, प्रोजेक्ट चार वर्षों में पूरा होगा।

कनेक्टिविटी: राष्ट्रीय राजमार्ग 31 और वाराणसी रिंग रोड को जोड़ेगा।

रफ्तार : 80 से 100 किमी प्रति घंटा।

समय की बचत : राष्ट्रीय राजमार्ग-31 और काशी रेलवे स्टेशन के बीच लगने वाले 40 मिनट का समय घटकर अब 20 मिनट होगा।